UP Board Notes Class 6 Hindi Chapter 6 गुरु गोरखनाथ (महान व्यक्तिव)

पाठ का सारांश

गुरु गोरखनाथ का भारत के धार्मिक इतिहास में बहुत महत्त्व है। विभिन्न विद्वानों ने गोरखनाथ का समय ईसी की नवीं शताब्दी से लेकर तेरहवीं शताब्दी तक माना है। गुरु गोरखनाथ मत्स्येंद्र नाथ के शिष्य एवं नाथ संप्रदाय के संस्थापक थे। उन्होंने अपने विचारों एवं आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए लगभग चालीस ग्रंथों की रचना की। संतोष, अहिंसा एवं जीवों पर दया गोरखनाथ का मूल मंत्र था। गुरु गोरखनाथ जी का एक भव्य विशाल मंदिर उत्तर प्रदेश के गोरखपुर नगर में स्थापित है। कहा जाता है कि इन्हीं के नाम पर जिले का नाम गोरखपुर पड़ा। गुरु गोरखनाथ ने जीवन की शुद्धता बनाए रखने पर बल दिया। जीवन की शुद्धता के लिए धन संचय से दूर रहने का संदेश इन्होंने दिया। गुरु गोरखनाथ त्याग, साहस तथा शौर्य के साक्षात प्रतीक थे। इसे महान गुरु के महान संदेश अनंत काल तक मानव को आदर्श जीवनयापन की प्रेरणा देते रहेंगे।

https://www.evidyarthi.in/